सामाजिक समरसता से बनेगा सशक्त राष्ट्र : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

46 समाजों के 335 लोगों से संवाद में बागेश्वर धाम सरकार ने कहा– प्रकृति का संरक्षण, परिवार की एकता और समाज में समानता ही राष्ट्र की असली शक्ति

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 30 नवम्बर। शहर के नक्षत्र गार्डन में शनिवार रात्रि आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर परम श्रद्धेय पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सामाजिक समरसता, स्वदेशी जागरण, पर्यावरण संरक्षण और कुटुंब प्रबोधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शहर के 46 समाजों के 335 लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त शिक्षक रामकृष्ण मौर्य द्वारा पंडित शास्त्री को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करने से हुआ। इस अवसर पर आरएसएस के प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया, प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता और सह प्रांत प्रचारक सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

आरएसएस की 100 वर्ष की पूर्णता पर समाज में किए जाने वाले 'पंच परिवर्तन' विषयों पर मार्गदर्शन देते हुए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि समाज का उत्थान तभी संभव है जब नागरिक अपने कर्तव्यों, संस्कृति और परिवार के प्रति सजग हों। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल वस्तु का चयन नहीं बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में पहला कदम है। जो राष्ट्र अपनी संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों को सम्मान देता है, वही सच्चे विकास का मार्ग प्राप्त करता है।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे लिए संसाधन नहीं बल्कि जीवन का आधार है, इसलिए इसका संरक्षण हर नागरिक का धर्म और कर्तव्य है। पेड़ लगाना केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने जैसा है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य बताया।

सामाजिक समरसता पर बोलते हुए बागेश्वर धाम सरकार ने कहा कि समाज तभी मजबूत होता है जब उसमें ऊँच-नीच, भेदभाव और विभाजन की कोई जगह न हो। समरसता का अर्थ है सभी को साथ लेकर चलना और हर व्यक्ति को सम्मान देना। जब लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तभी राष्ट्र मजबूत बनता है।

कुटुंब प्रबोधन पर उन्होंने कहा कि सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। परिवार में प्रेम, संस्कार और संवाद जीवन की सबसे बड़ी पूँजी हैं। जो बच्चे घर से संस्कार लेकर निकलते हैं, वही भविष्य में समाज का मार्ग रोशन करते हैं। उन्होंने कहा कि पारिवारिक एकता हर कठिनाई को अवसर में बदलने की क्षमता रखती है। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने बागेश्वर धाम सरकार के विचारों का स्वागत करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र के मार्गदर्शन का प्रकाशस्तंभ बताया।

परमहंस आश्रम बिनेगा में 2 दिसंबर को विशाल भण्डारा : संत महात्माओं के सान्निध्य में उमड़ेगी भक्ति धारा

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 30 नवम्बर। जिले के प्रख्यात आध्यात्मिक धाम परमहंस आश्रम बिनेगा में 2 दिसंबर मंगलवार को ब्रह्मलीन परमहंस स्वामी श्री बज्रानंद जी महाराज की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। यह पावन आयोजन संत श्री पथरानंद जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न होगा।

भण्डारे की शुरुआत प्रात: 8 बजे महाराज श्री की समाधि पर भजन, पूजन एवं आरती के साथ होगी, जो शाम 4 बजे तक निरंतर चलेगी। पूरे दिन आश्रम परिसर में भक्तिरस से सराबोर भजन, सत्संग और पूजन का क्रम चलता रहेगा। कार्यक्रम में शिवपुरी जिले के अलावा दूर-दराज जिलों एवं अन्य प्रांतों से भी अनेक संत-महात्माओं के पधारने की संभावना है, जिनके दर्शन का सौभाग्य सभी धर्मप्रेमी बंधुओं व भक्तों को प्राप्त होगा। आश्रम प्रबंधन ने बताया कि अबसे परमहंस आश्रम बिनेगा का वार्षिक भण्डारा प्रतिवर्ष 2 दिसंबर को स्वामी बज्रानंद जी महाराज की जन्मजयंती पर आयोजित किया जाएगा। सभी भक्तगण, धर्मप्रेमी बंधु एवं आमजन अपने इष्ट-मित्रों सहित प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक इस आध्यात्मिक भण्डारे में सादर आमंत्रित हैं।

संतोष शर्मा बने परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला कार्यालय प्रभारी

शिवपुरी 30 नवम्बर। परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन का विस्तार किया जा रहा है इसी क्रम में शिवपुरी जिले में कार्यालय प्रभारी के पद पर संतोष शर्मा को नियुक्त किया गया है। परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला अध्यक्ष राम लखन मुडौतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु राजौरिया एवं संभागीय प्रभारी दिलीप समाधिया के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले की कार्यकारिणी का विस्तार किया जा रहा है, इसी क्रम में संतोष शर्मा को जिला कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। श्री शर्मा जिला कार्यालय प्रभारी बनने उनके ईष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाईयां दी। इस अवसर पर संतोष शर्मा ने कहा कि मुझ पर जो संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जो विश्वास जताया हैं मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा और देश के हित में जो भी निर्णय बोर्ड लेगा उसको समर्पण भाव से धरातल पर उतारने का कार्य करूंगा। बधाई देने वालों में राजकुमार शर्मा, जितेन्द्र मुडौतिया, कुलदीप शर्मा, राम सड़ैया, बृजेश पाण्डेय, नरेश मिश्रा, दिनकर नीखरा, आशुतोष जैमिनी, योगेश मोहन, राजेश श्रीवास्तव, राजवीर तोमर आदि लोगों ने बधाईयां दी हैं।

एच यू आर एल यूरिया रैक से जिले को 575 मैट्रिक टन यूरिया प्राप्त

शिवपुरी। एच यू आर एल यूरिया की रैक गत दिवस को शिवपुरी रैक प्वाइंट पर लगने से जिले को 575 मैट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ है। प्राप्त यूरिया का आवंटन विभिन्न संस्थाओं को किया गया है, जिसमें 3 डबल लॉक गोदामों को 165 मैट्रिक टन, 3 मार्केटिंग सोसायटियों को 210 मैट्रिक टन तथा निजी थोक उर्वरक विक्रेताओं को 200मैट्रिक टन यूरिया दिया गया है। जिले के डबल लॉक गोदामों में मार्कफेड करैरा को 50मी. टन, पिछोर को 90मी. टन, तथा पोहरी को 25मी. टन यूरिया प्राप्त हुआ है। , 3 मार्केटिंग सोसाइटी , विपणन सहकारी संस्था बैराड़ पोहरी को 50मी. टन ,विपणन सहकारी संस्था मार्केटिंग खनियाधाना 90 मी. टन, नालदमयंती विपणन सहकारी संस्था नरवर 70 मी. टन यूरिया प्राप्त हुआ है।,2 निजी थोक उर्वरक विक्रेताओं में जनता एग्रो एजेंसी शिवपुरी को 100 मै.टन, अग्रवाल इंटरप्राइजेज करैरा को 100 मै.टन उपलब्ध हुआ है।

भाजपा नेता दिलीप मुदगल ने उपहार स्वरूप साड़ियां वितरित कर लिया बहनों से आशीर्वाद

नवभारत न्यूज

शिवपुरी 30 नवम्बर। पोहरी विधानसभा क्षेत्र में माता-बहिनों से अपनत्व का भाव जगाते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल के द्वारा लगातार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर जनसंपर्क करते हुए महिलाओं व माता बहिनों से भाईदौज के रूप में टीका कराते हुए उन्हें उपहार के रूप में साडियों का वितरण किया गया। यहां पोहरी विधानसभा क्षेत्र में दीप पर्व दीपावली के बाद से ही लगातार भाई बहिन के पवित्र त्यौहार भाईदूज के रूप में आज भी भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुद्गल के द्वारा यह पावन पर्व मनाया जा रहा है और दूरदराज के ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर बहिनों को साड़ी उपहारस्वरूप भेंट कर उनसे आशीर्वाद लिया जा रहा है।

इसी क्रम में गत दिवस पोहरी विधानसभा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत फूलीपुरा के ग्राम वनवारीपुरा में भाईदूज का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा नेता दिलीप मुद्गल का सैकड़ों बहिनों ने टीका लगाकर अपना आशीर्वाद दिया। यहां पैर छूकर जनसेवक दिलीप

मुदगल के द्वारा सभी बहनों को उपहारस्वरूप साडियां वितरित की। जहाँ रस्म अनुरूप सभी महिलाओं ने जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल का तिलक लगाकर सम्मान किया। बताना होगा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल पोहरी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत फूलीपुरा के ग्राम बिजोरा पहुंचे, जहाँ उन्होंने बहनों से तिलक लगवाया, चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और साड़ियाँ भेंट की। इस दौरान दिलीप मुद्गल ने कहा भाई बहिन के पवित्र स्नेह का पर्व भाईदूज केवल एक पर्व नहीं, यह समाज में स्नेह, संस्कार और एकता का प्रतीक हैं। गांव-गांव जाकर बहनों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची पूजा जनसेवा है और माता बहिनों के आशीर्वाद से ही समाज और राष्ट्र मजबूत बनता है। भाजपा नेता दिलीप मुदगल का यह सेवा और स्नेह का अभियान लगातार जारी है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुद्गल ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणजनों से संवाद करते हुए भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की, ताकि हर परिवार इन योजनाओं से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बन सके। बता दे कि भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल द्वारा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में पहुँचकर महिलाओ से भेंट कर उपहार स्वरूप साडियां वितरित की हैं, जहाँ अभी तक दो दर्जन से अधिक ग्रामो में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल ने महिलाओं को उपहार स्वरूप साडियां वितरित की जा रही है।

आयशर ट्रक की चपेट में आने से युवक का एक्सीडेंट

नवभारत न्यूज

दिनारा 30 नवम्बर। करैरा तहसील के अंतर्गत दिनारा नेशनल हाईवे कृष्णा चौराहा पर घटनाक्रम सायं काल का इस प्रकार बताया गया है कि दिनारा निवासी नरेंद्र धमन्या उर्फ पिंटू उम्र 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय सुरेंद्र धमन्या वार्ड क्रमांक 19 निवासी दिनारा नेशनल हाईवे डिवाइड से रोड पार करते समय अचानक से आयशर ट्रक की चपेट में आ जाने से एक्सीडेंट हो गया है यह आयशर ट्रक चालक महाराष्ट्र से पपीता भरकर नेपाल

नौजवान युवा नरेंद्र धमन्या उर्फ पिंटू की हालत अत्यंत गंभीर

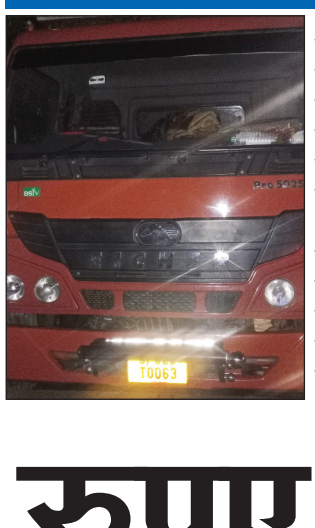

ले जा रहा था समाचार लिखे जाने तक पिंटू कोली की हालात अत्यंत गंभीर बनी हुई थी एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही दिनारा पुलिस ने

मोके पर पहुंचकर नौजवान युवा नरेंद्र धमन्या उर्फ पिंटू कोली उम्र 30 वर्ष को एंबुलेंस में रखवाकर झांसी मेडिकल के लिए तत्काल रैफर किया और दिनारा पुलिस ने आयशर ट्रक यूपी 62 बी टी 0063 को मय ट्रक चालक के घटनास्थल से पड़कर जप्त कर थाना रखवाया एवं आगे की कार्यवाही प्रारंभ की ।

कांग्रेस ने की सत्र का समय बढ़ाने की मांग

भोपाल. मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 1 से 5 दिसंबर तक चलने वाला है, जिसमें 4 बैठकें होना प्रस्तावित हैं. बुधवार को ही विधानसभा सचिवालय की तरफ से इसकी अधिसूचना जारी की गई थी. इस बीच मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्यपाल, सीएम मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर शीतकालीन सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की है. वहीं सिंघार के पत्र पर बीजेपी ने निशाना साधा है. कहा है कि सत्र की अधिसूचना जारी होने के बाद कांग्रेस को समय अवधि बढ़ाने की याद आ रही है. सिंघार ने कहा कि सत्र में केवल चार बैठकें होनी हैं, ऐसे में विधायकों को सवाल पूछने के लिए समय पर्याप्त नहीं है. इतने सीमित समय में न तो विपक्ष अपनी बात रख पाएगा, न ही जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी. विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, जहां प्रदेश की जनता की आवाज गूंजनी चाहिए, न कि उसे दबाया जाए.

12 शहर 10°C से नीचे, इंदौर में घना कोहरा

भोपाल , 30 नवम्बर. पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यप्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा, लेकिन ठंड ने अचानक पलटी मारते हुए एक बार फिर अपने तेवर तीखे कर दिए हैं.

प्रदेश के कई हिस्सों में सर्द हवाओं और गिरते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित किया. भोपाल जिले में शीतलहर का असर स्पष्ट दिखा, वहीं इंदौर-नर्मदापुरम संभाग में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई. अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं हुआ, लेकिन यह भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर, चंबल, रीवा, जबलपुर और सागर संभागों में सामान्य से 1.5°C से 2.3°C तक कम रहा. अन्य संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा.

यूनतम तापमान की बात करें तो इंदौर और नर्मदापुरम संभागों में यह 2.5°C से 2.8°C तक गिर गया, जिससे रात में सर्दी का प्रभाव काफी बढ़ गया. भोपाल संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3°C कम था, जबकि रीवा, जबलपुर, सागर और इंदौर संभागों में यह 1.6°C से 2°C तक नीचे रहा. उज्जैन संभाग में तापमान सामान्य से 2°C अधिक दर्ज हुआ.उधर, उत्तर भारत में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और एक नया मध्यम स्तर का पश्चिमी विक्षोभ भी प्रभावी हो रहा है, जिसका असर आने वाले दिनों में एमपी के मौसम पर भी देखा जा सकता है. कुल मिलाकर, प्रदेश में ठंड ने जोर पकड़ लिया है और तापमान में और गिरावट की संभावना बनी हुई है.

> प्रदेश के 12 शहरों—जबलपुर, ग्वालियर, धार, मंडला, शिवपुरी, रीवा, सिंगरौली, नौगांव, उमरिया, सीधी, बैतूल और दतिया में न्यूनतम तापमान 10एष्ट से नीचे पहुंच गया. वहीं भोपाल और इंदौर में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी घटकर 1 से 1.5 किलोमीटर रह गई. कोहरे के कारण सुबह यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को धीमी गति से वाहन चलाने पड़ रहे हैं. इधर बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान 'दितवाह' लगातार सक्रिय है और 8 किमी/ घंटा की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है. इसका केंद्र आज सुबह जाफना से 80 किमी पूर्व और भारत के तटीय क्षेत्रों—पुडुचेरी, कराईकल और चेन्नई से 140 से 380 किमी की दूरी पर दर्ज किया गया. यह तूफान 30 नवंबर तक उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास पहुंच जाएगा. इसकी दिशा को देखते हुए तमिलनाडु तटरेखा से इसकी न्यूनतम दूरी 29 से 30 नवंबर के बीच 25 से 60 किमी रहने का अनुमान है.

रुपए की गिरती कीमत में छुपे भावी अवसर

आज कल भारतीय मुद्रा की गिरती कीमत सुर्खियों में है। जो चालू वर्ष में अभी तक डॉलर के मुकाबले 4 प्रतिशत तक कमजोर हो चुकी है। अर्थशास्त्रियों के मत में रुपया आगे भी 90 रूपय प्रति डॉलर के पार जा सकता है। रुपए की घटती कीमत की मूल वजहों में वैश्विक अनिश्चितता के चलते पूंजी का बहिर्गमन, अमेरिका द्वारा टैरिफ में वृद्धि, मुख्य आयतित जिंस कच्चे तेल का रूस से सस्ती खरीद पर बढ़ता अमेरकी दबाव, हमारा चालू खाता घटा एवं घटती वैश्विक मांग आदि प्रमुख हैं। उक्त वजहों का भविष्य में भी जारी रहना संभावित नजर आता है। अब प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में घटता रुपया व भविष्य में दिखती आसन्न गिरावट अर्थव्यवस्था में कमजोरी का सूचक है। या आर्थिक फंडामेंटलस कुछ और ही कहानी बयान करते हैं। इस उलझन को आगे समझने से पहले एक नजर मुद्रा के बेसिक कॉन्सेप्ट पर डालते हैं। मुद्रा एक माध्यम है जो किसी वस्तु या सेवा की कीमत को परिभाषित करती है व एक्सचेंज का काम करती है। अगर वस्तुऐं या सेवाऐं मुद्रा के सामने महंगी होने लगती हैं। तो हम इसे मुद्रा का अवमूल्यन या बढ़ती मुद्रा स्फीति मानते हैं। एवं इसके विपरीत वस्तुओं एवं सेवाओं की गिरती कीमत को मुद्रा में मजबूती या अबस्फीति मानते हैं। मुद्रा की वास्तविक इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (आरईईआर) से आशय मुख्य विदेशी मुद्राओ की वास्केट के वेटेज एवरेज के सामने महंगाई के समायोजन उपरांत रुपए का मूल्य। सामान्य अर्थ में किसी मुद्रा द्वारा अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में कितनी मात्रा में वस्तुओं व सेवाओं को क्रय किया जा सकता है। जो मुद्राओं की क्रय शक्ति में तुलनात्मक उतर चढ़ाव दर्शाता है। वहीं नॉमिनल इफेक्टिव एक्सचैंज रेट (एनईईआर) क्रय शक्ति के तुलनात्मक अध्ययन के बिना, महंगाई को समायोजित किए

वगैर सिर्फ मुद्रा की कीमतों का फर्क दर्शाती है। जैसे कि एक्सचेंज पर 1 डॉलर की कीमत 89 रूपए है। वस्तुओं एवं सेवाओं के संदर्भ में वास्तविक क्रय शक्ति के मूल्यांकन का पैमाना आरईईआर को माना जाता है। रुपए के संदर्भ में अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आरईईआर के पैमाने पर त्वरित गिरावट के बाद भी रुपया अधिमूल्यित बना हुआ है।आरबीआई के हालिया सर्वेअनुसार आरईईआर भारांक 108.14 पर स्थित है, इस लिहाज से मुद्रा स्फीति को समायोजित करने के उपरांत रुपए का मूल्य 8.1त्न अधिमूल्यित है। जबकि ऐनईईआर पर चालू वर्ष में गिरावट 4 प्रतिशत के आस पास है। कीमतों के संदर्भ में भारत की महंगाई दर पर भी गौर करना आवश्यक है। हमारी मुख्य महंगाई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2 प्रतिशत के अंदर है। जोकि 2 से 4 प्रतिशत, आरबीआई के कंफर्ट जोन से भी कम है। महंगाई की तुलना अगर सावधि जमा पर मिलने वाले ब्याज से करें तो रियल इंटरेस्ट रेट 5 प्रतिशत तक सकारात्मक है। अर्थात रुपए की कीमत में गिरावट का असर उसकी क्रयशक्ति पर नगण्य है। व रुपए में होने वाली बचत भी सकारात्मक है। वहीं सर्वाधिक आयातित जिंस कच्चा तेल भी अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में गिरावट के बीच स्थित है। जो एक्सचेंज पर रुपए की गिरती कीमतों के बीच एक राहत की तरह है। वहीं अमेरिका द्वारा बढ़ाए जा रहे टैरिफ के बीच रुपए का घटता एक्सचेंज मूल्य निर्यातकों को प्रतियोगी लाभ दे रहा है। जहां देश से बाहर निवेश करना महंगे डॉलर के परिप्रेक्ष्य में महंगा है। वहीं सस्ता रुपया देश में आ रहे निवेश को सस्ता बना रहा है। जो चाइना प्लस वन के दौर में भारत को प्रतियोगी धार देता है। भारत का व्यापार घाटा काबू में है व आंतरिक घाटा भी बजट लक्ष्य के अनुरूप घट रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार अपने चरम के आस पास स्थिर है। भारतीय बैंकिंग व्यवस्था भी अबतक की मजबूत स्थिति में है। आईएमएफ ने भी हाल ही में रुपए की विनिमय दर व्यवस्था को फ्लोटिंग श्रेणी में डाला है। जिसका आशय सरकार द्वारा मुद्रा की कीमतों में हक्तक्षेप न करना है। मोटे तौर पर हम कह सकते हैं कि रूपए की कीमत आरईईआर पर अपनी क्रय शक्ति में स्थिर है। व एक्सचेंज पर उसकी घटती एनईईआर कीमतें निर्यातकों एवं विदेशी निवेशकों के लिए लाभदायक हैं। अन्य मोर्चों पर अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति देश की अर्थव्यवस्था को मूल्यवान बनाए हुए है। अत: यहां मुख्य चुनौती मुद्रा की कमजोरी में छुपे मौकों को पहचानते हुए उसे आर्थिक ताकत में बदलने एवं लंबे दौर के आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने की है।

-दुर्गेश गौड़, आर्थिक विश्लेषक